# बीए अर्थशास्त्र

## Semester 01 (Paper 01)

## उपयोगिता (तुष्टिगुण) विश्लेषण/ गणनावाचक उपयोगिता विश्लेषण

**(Utility Analysis/ Cardinal Utility Analysis)**

- उपयोगिता का अर्थ एवं विशेषताएं
- उपयोगिता के प्रकार
- ह्रासमान सीमांत उपयोगिता का नियम
- सम-सीमांत उपयोगिता का नियम

उपयोगिता विश्लेषण यह स्पष्ट करता है कि किस प्रकार व्यक्ति अपने साधनों से अधिकतम उपयोगिता प्राप्त करके संतुष्टि के स्तर को अधिकतम करता है।

प्रत्येक व्यक्ति के सामने यह समस्या रहती है कि वह किस प्रकार अपनी सीमित आय को व्यय करें ताकि उसे अधिकतम संतुष्टि प्राप्त हो और एक बार यदि व्यक्ति इस प्रकार संयोग प्राप्त करने में सफल होता है तो वह इससे विचलित नहीं होना चाहता । इसको **उपयोगिता की साम्य की अवस्था** कहते हैं।

### उपयोगिता से संबंधित विचारधारायें

| गणनावाचक दृष्टिकोण | क्रमवाचक दृष्टिकोण |
|---|---|
| गणनावाचक उपयोगिता विश्लेषण | तटस्थता-वक्र विश्लेषण |
| मार्शल | हिक्स एवं ऐलन |
| उपयोगिता को मापा जा सकता है | उपयोगिता को मापा नहीं जा सकता है |

अर्थशास्त्र के सभी विषयों एवं कक्षाओं के नोट्स, प्रश्नोत्तर, सैंपल पेपर, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, विगत वर्षों के प्रश्नपत्र, अभ्यास प्रश्नपत्र (हिंदी या अंग्रेजी माध्यम) के PDF आपको www.theeconomicsguru.com पर मिल जायेंगे।

इसके साथ ही सभी हिंदी माध्यम तथा अंग्रेजी माध्यम के छात्रों के लिए Free LIVE CLASS भी उपलब्ध है, हमारे YOUTUBE CHANNEL "THE ECONOMICS GURU" पर । अभी **subscribe** कर लीजिये और ज्यदा से ज्यादा **शेयर** कर दीजिये अपने दोस्तों के बीच।

किसी भी प्रकार की समस्या के लिए आप हमसे सम्पर्क कर सकते है, YOUTUBE के कमेंट बॉक्स में कमेन्ट करें या वेबसाइट के Email वाले Option में जाकर **Email** करे या WhatsApp कर सकते है (Website में लिंक दिया गया है।

धन्यवाद

नकुल ढाली

The Economics Guru

लाभार्थी बोर्ड:

CBSE, UK Board, UP Board, Bihar Board, MP Board, CG Board, Rajasthan Board, Haryana Board

साथ ही **BA; B.COM; MA** के सभी SEMESTER लिए भी अध्ययन सामग्री उपलब्ध है।

अभी VISIT करें www.theeconomicsguru.com

**Subscribe** my **YOUTUBE** channel **THE ECONOMICS GURU**

**Follow me:**

**Facebook**- *Nakul Dhali*

**Instagram**- *@theeconomicsguru*

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

## गणनावाचक उपयोगिता विश्लेषण (Cardinal Utility Analysis)

यूरोप के विभिन्न देशों के अर्थशास्त्रियों ने 19वीं शताब्दी में गणनावाचक उपयोगिता विश्लेषण का प्रतिपादन *परंपरावादी अर्थशास्त्रियों जैसे- एडम स्मिथ, रिकार्डो आदि के विचारों की आलोचना* के रूप में किया। इस धारणा का विकास **इयूपिट, गोसेन, बालरस मेंजर तथा जेवेंस** ने किया था।

20वीं शताब्दी में मार्शल तथा पीगू ने गणनावाचक उपयोगिता विश्लेषण की विवेचना की है। इस विश्लेषण के अनुसार उपयोगिता मापनीय होती है और इसे गणनावाचक संख्याओं जैसे 1,2,3..... में मापा जा सकता है।

## उपयोगिता या तुष्टिगुण का अर्थ

अर्थशास्त्र की भाषा में किसी वस्तु का वह गुण जिसके द्वारा वस्तु मनुष्य की किसी न किसी आवश्यकता की पूर्ति करती है, तुष्टिगुण कहते हैं।

**उपयोगिता** का अर्थ है- **आवश्यकता संतुष्टि शक्ति।**

वस्तुओं की उस गुण को तुष्टिगुण या उपयोगिता कहते हैं जिससे मनुष्य की आवश्यकता की संतुष्टि होती है।

## परिभाषाएं (Definitions)

**प्रो. जेवंस** के अनुसार "तुष्टिगुण या उपयोगिता से हमारा अभिप्राय किसी वस्तु के उस अमूर्त गुण से है जिसके द्वारा हमारे उद्देश्यों की पूर्ति होती है"।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

**श्रीमती रॉबिन्सन** के अनुसार, "तुष्टिगुण या उपयोगिता वस्तुओं का बड़ा गुण हैं, जिसके फलस्वरूप लोग उसे खरीदना चाहते हैं"।

## उपयोगिता की विशेषताएँ

- उपयोगिता मानव की आवश्यकता व तीव्रता पर निर्भर करती है।
- उपयोगिता का भौतिक रूप नहीं होता।
- उपयोगिता सापेक्षिक होता है। जो व्यक्ति समय स्थान के साथ बदलती रहती है।
- तुष्टिगुण और संतुष्टि दोनों शब्दों का सामान अर्थ नहीं होता।
- तुष्टिगुण को मापा जा सकता है। इस जिसके लिए मुद्रा रूपी पैमाने का सहारा लिया जाता है।
- तुष्टिगुण नैतिक मूल्यों से प्रभावित नहीं होता।

**उपयोगिता के प्रकार:**

**उपयोगिता को दो भागों में बांटा जा सकता है।**

- सीमांत उपयोगिता (Marginal Utility)
- कुल उपयोगिता (Total Utility)

## सीमांत/ तुष्टिगुण उपयोगिता

उपभोग की अंतिम इकाई को सीमांत इकाई कहते हैं और उस सीमांत इकाई से प्राप्त उपयोगिता को सीमांत उपयोगिता कहते हैं।

किसी वस्तु के एक अतिरिक्त इकाई प्रयोग करने से उपयोगिता में जो वृद्धि होती है उसे सीमांत उपयोगिता कहते हैं।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

**प्रो. बोल्डिंग** के अनुसार, "वस्तुओं की किसी मात्रा का सीमांत उपयोगिता कुल उपयोगिता में वृद्धि है, जो कि उपभोग में एक और इकाई के परिणामस्वरूप प्राप्त होती है"।

सूत्र,

$$MU = TUn – TU n-1$$

## सीमांत उपयोगिता के रूप

- **धनात्मक सीमांत उपयोगिता**- जब तक किसी वस्तु के उपभोग से संतुष्टि मिलती है।
- **शून्य सीमांत उपयोगिता**- जब तक वस्तु के उपभोक्ता से ना तो संतुष्टि मिलती है नहीं असंतुष्टि।
- **ऋणात्मक सीमांत उपयोगिता**- जब किसी वस्तु से उपभोग से संतुष्टि प्राप्त होती है बल्कि असंतुष्टि की प्राप्ति होती है।

## कुल उपयोगिता (Total Utility-TU)

जब उपभोक्ताओं से वस्तुओं की एक से अधिक इकाइयों का उपभोग करता है, तो समस्त इकाइयों से प्राप्त होने वाले सभी तुष्टिकरण के योग को कुल प्रतियोगिता कहते हैं।

अर्थात सीमांत उपयोगिता के संपूर्ण योग को कुल उपयोगिता कहते है।

| उपभोग की इकाइयां (रोटी) | सीमांत तुष्टिगुण (MU) | कुल उपयोगिता (TU) |
|---|---|---|
| 1 | 16 | **16** |
| 2 | 12 | **28** |
| 3 | 8 | **36** |
| 4 | 4 | **40** |
| 5 | 0 | **40** |
| 6 | -4 | **36** |

## कुल उपयोगिता तथा सीमांत उपयोगिता के संबंध

1. जब सीमांत उपयोगिता धनात्मक है। चाहे वो घट रही हो तब कुल उपयोगिता बढ़ती है।
2. जब सीमांत उपयोगिता शून्य हो जाती है, तब की उपयोगिता अधिकतम होती है।
3. जब सीमांत उपयोगिता ऋणात्मक होती है तब कुल उपयोगिता घटने लगती है।

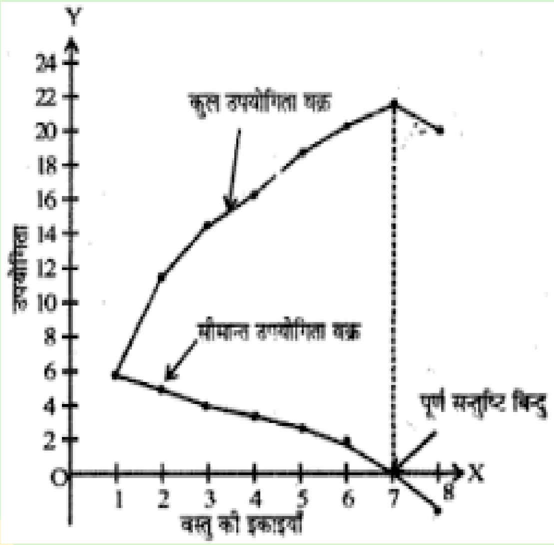


## ह्रासमान / घटती सीमांत उपयोगिता का नियम

## (Law of Diminishing Marginal Utility)

इसे **आवश्यकता संतुष्टि का नियम** भी कहते हैं।

यह उपभोक्ता एक महत्वपूर्ण नियम है जो दैनिक जीवन के अनुभवों पर आधारित होने के कारण ***सर्वमान्य एवं सार्वभौमिक*** है।

इस नियम का सर्वप्रथम उल्लेख ***ऑस्ट्रियन*** अर्थशास्त्री ***एच एच गोसेन*** ने किया था।

अतः इसे **गोसेन का प्रथम नियम** भी कहा जाता है।

इस नियम के अनुसार।

जब किसी वस्तु की मानक इकाइयों का लगातार अधिक से अधिक उपभोग किया जाता है, तब प्रत्येक इकाई से प्राप्त होने वाली सीमांत उपयोगिता घटती जाती है। यहाँ सभी वस्तुओं तथा सेवाओं के संबंध में लागू होता है।

**इसे संतुष्टि का *आधारभूत एवं सार्वभौमिक नियम* भी कहा जाता है।**

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

सीमांत उपयोगिता के नियम के अनुसार जैसे जैसे एक व्यक्ति के पास किसी वस्तु का स्टॉक बढ़ता चला जाता है, एक सीमा से पश्चात उस वस्तु की अतिरिक्त इकाइयों से मिलने वाली सीमांत उपयोगिता घटती चली जाती है।

***प्रो. मार्शल*** के अनुसार, **"अन्य बातें सामान रहने पर किसी व्यक्ति के पास किसी वस्तु की मात्रा में वृद्धि होने से जो अतिरिक्त लाभ प्राप्त होता है वह उस वस्तु की मात्रा की प्रत्येक इकाई की वृद्धि के साथ साथ घटता चला जाता है"।**

**घटती सीमांत उपयोगिता नियम के लागू होने की आवश्यकता शर्तें:**

1. उपभोग की जाने वाली वस्तु की सभी इकाइयों या गुण तथा परिणाम में समान होनी चाहिए।
2. उपभोग निरंतर क्रम में होना चाहिए।
3. इस वस्तु की इकाई का आकार पर्याप्त होना चाहिए।
4. उपभोक्ता विवेकशील होना चाहिए।
5. उपभोक्ता की आय रुचि, फैशन और उपभोग प्रवृत्ति में कोई परिवर्तन नहीं होना चाहिए।

उदाहरण:

| इकाई (Q) | कुल उपयोगिता (TU) | सीमांत उपयोगिता (MU) |
|---|---|---|
| 1 | 20 | 20 |
| 2 | 36 | 16 |
| 3 | 46 | 10 |
| 4 | 50 | 4 |
| 5 | 50 | 0 |
| 6 | 44 | -6 |

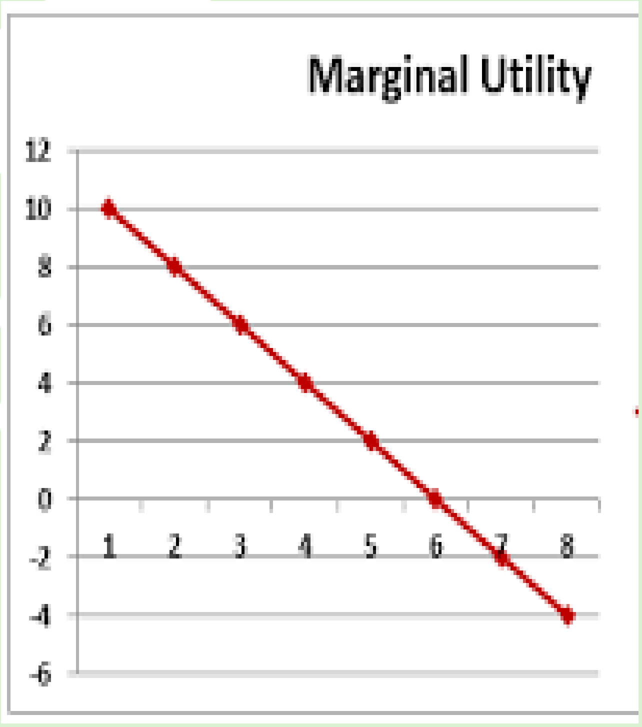

## नियम के अपवाद

1. दुर्लभ वस्तुओं पर यह नियम लागू नहीं होता।
2. इस सुरीले गीत व सुंदर कविताओं पर यह नियम लागू नहीं होता।
3. शराबी व्यक्ति पर भी ये नियम लागू नहीं होता। इस।
4. इस वस्तुओं के उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि होने पर यह नियम लागू नहीं हो पाता।
5. फैशन व दिखावटी वस्तुओं पर भी यह नियम लागू नहीं होता।
6. धन संचय की प्रवृत्ति रखने वाले लोगों पर भी यह नियम लागू नहीं होता है।

## घटती सीमांत उपयोगिता के नियम की आलोचनाएँ

- उपयोगिता की संख्यात्मक माफ़ असंभव है।
- मुद्रा का सीमांत दृष्टिकोण अलग अलग होता है।
- उपयोगिता में परिवर्तन होता रहता है।
- उपयोगिता पर आय प्रभाव तथा स्थानापन्न प्रभाव लागू होता है।
- यह विश्लेषण विभाजनशील वस्तुओं की व्याख्या नहीं कर पाता है।
- ये नियम संबंधित वस्तुओं के संबंध में विश्लेषण नहीं कर पाता।

## सम सीमांत उपयोगिता का नियम (Equi-Marginal Utility)

### उपयोगिता विश्लेषण में उपभोक्ता को संतुलन

ये नियम उपभोग का आधारभूत नियम है। इसका प्रतिपादन सबसे पहले गोसेन द्वारा किया गया था, इसलिए इसे गोसेन इनका दूसरा नियम कहा जाता है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

मार्शल ने इस नियम को सम सीमांत उपयोगिता का नियम कहा है।

## परिभाषाएं

**मार्शल** के अनुसार, "यदि किसी व्यक्ति के पास ऐसी वस्तु है जिससे विभिन्न प्रकार से प्रयोग कर सकता है तो वह इसका अनेक प्रयोग से इस प्रकार वितरण करेगा कि सीमांत उपयोगिता प्रत्येक में समान हो"।

**प्रो. सैम्युलसन** के अनुसार, "एक उपभोक्ता उस समय अधिक संतुष्टि प्राप्त करता है जब सब वस्तुओं का सीमांत उपयोगिता तथा कीमत का अनुपात बराबर होता"।

## सम-सीमांत उपयोगिता नियम की मान्यतायें

- वस्तुओं की गुण व मात्रा समान होने चाहिए।
- वस्तुओं की सभी इकाइयों उचित आकार एवं प्रकार की होनी चाहिए।
- उपभोक्ता की आय तथा मानसिक स्थिथि में कोई परिवर्तन नहीं होने चाहिए।
- मुद्रा की क्रय शक्ति एवं सीमांत उपयोगिता स्थिर होनी चाहिए।
- मनुष्य एक विवेकशील प्राणी होना चाहिए।
- प्रत्येक उपभोक्ता को वस्तुओं पर किए गए व्यय से उत्पन्न होने वाले सीमांत उपयोगिता का ज्ञान होना चाहिए।

इस नियम के अनुसार-

सम सीमांत उपयोगिता का नियम घटती सीमांत उपयोगिता के नियम पर आधारित है। जो कहता है कि *वस्तुओं की अधिक इकाइयों खरीदने पर उससे मिलने वाली सीमांत उपयोगिता कम होती चली जाती है।* इसलिए उपभोक्ता वस्तु का उपभोग करते समय वस्तुओं की विभिन्न इकाइयों से प्राप्त होने वाली उपयोगिताओं की तुलना में दूसरी वस्तुओं की इकाइयों का प्रयोग करता है। इसलिए वो *अपने आय को अलग अलग वस्तुओं पर इस प्रकार से। वह करता है कि सभी वस्तुओं से मिलने वाले सीमांत उपयोगिता बराबर हो जाए।*

**उदाहरण**

| इकाइयाँ | मिठाई | फल |
|---|---|---|
| 1 | 100 | 80 |
| 2 | 90 | 50 |
| 3 | 70 | 40 |
| 4 | 50 | 25 |
| 5 | 30 | 20 |

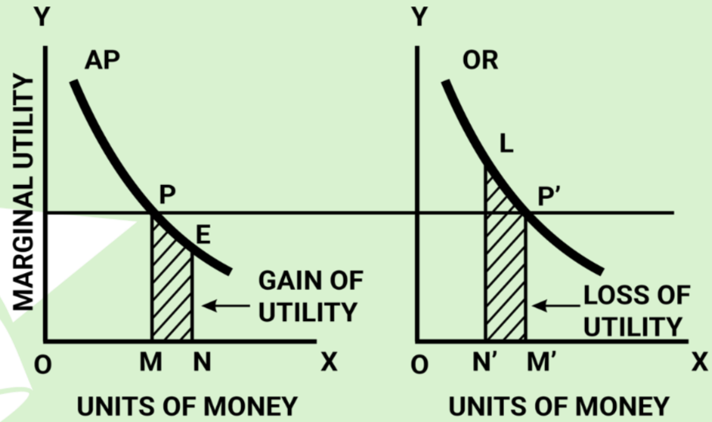


EQUI-MARGINAL UTILITY

## नियम की आलोचनाएँ

- दोषपूर्ण मान्यताओं पर आधारित
- वस्तुओं के विभाजन में कठिनाइयां होती है
- वस्तुओं की कीमतों में परिवर्तन होता रहता है, उपयोगिता भी बदलती रहेंगी।
- रीति रिवाज में परिवर्तन होने से भी उपभोक्ताओं की उपयोगिता में परिवर्तन होता रहता है
- फैशन में परिवर्तन

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

अर्थशास्त्र के सभी विषयों एवं कक्षाओं के नोट्स, प्रश्नोत्तर, सैंपल पेपर, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, विगत वर्षों के प्रश्नपत्र, अभ्यास प्रश्नपत्र (हिंदी या अंग्रेजी माध्यम) के PDF आपको www.theeconomicsguru.com पर मिल जायेंगे।

इसके साथ ही सभी हिंदी माध्यम तथा अंग्रेजी माध्यम के छात्रों के लिए Free LIVE CLASS भी उपलब्ध है, हमारे YOUTUBE CHANNEL "THE ECONOMICS GURU" पर । अभी **subscribe** कर लीजिये और ज्यदा से ज्यादा **शेयर** कर दीजिये अपने दोस्तों के बीच।

किसी भी प्रकार की समस्या के लिए आप हमसे सम्पर्क कर सकते है, YOUTUBE के कमेंट बॉक्स में कमेन्ट करें या वेबसाइट के Email वाले Option में जाकर **Email** करे या WhatsApp कर सकते है (Website में लिंक दिया गया है।

धन्यवाद

नकुल ढाली

The Economics Guru

लाभार्थी बोर्ड:

CBSE, UK Board, UP Board, Bihar Board, MP Board, CG Board, Rajasthan Board, Haryana Board

साथ ही **BA; B.COM; MA** के सभी SEMESTER लिए भी अध्ययन सामग्री उपलब्ध है।

अभी VISIT करें www.theeconomicsguru.com

**Subscribe** my **YOUTUBE** channel **THE ECONOMICS GURU**

**Follow me:**

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

**Facebook**- *Nakul Dhali*

**Instagram**- *@theeconomicsguru*